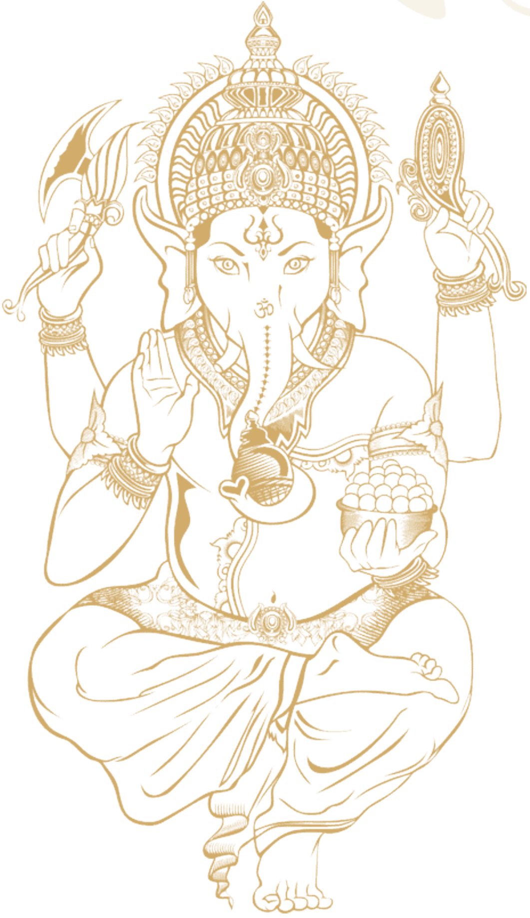

Arnav Jatav

03 Feb 2016

08:31 PM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121429503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/02/2016**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:31:00 घंटे**
इष्ट	33:47:36 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:10:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:45 घंटे
साम्पातिक काल	05:03:48 घंटे
सूर्योदय	06:59:57 घंटे
सूर्यास्त	18:08:04 घंटे
दिनमान	11:08:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:07:32 मकर
लग्न के अंश	23:02:00 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:02:00	330:05:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			मक	20:07:32	01:00:53	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	17:54:33	12:33:56	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल			तुला	22:10:44	00:29:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			धनु	24:53:50	00:49:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		सिंह	28:03:21	00:04:51	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	19:10:55	01:14:01	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			वृश्चि	20:15:13	00:04:40	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	28:25:33	00:04:27	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	28:25:33	00:04:27	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	23:08:06	00:01:57	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप			कुंभ	14:28:32	00:02:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
प्लूटो			धनु	22:06:00	00:01:53	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			वृष	22:59:16	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:54

लग्न-चलित

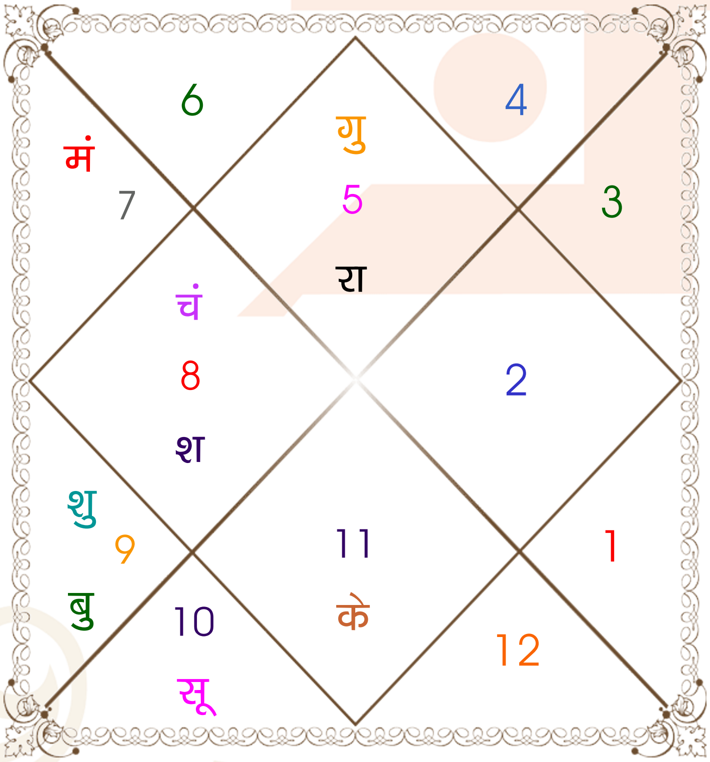

चन्द्र कुंडली

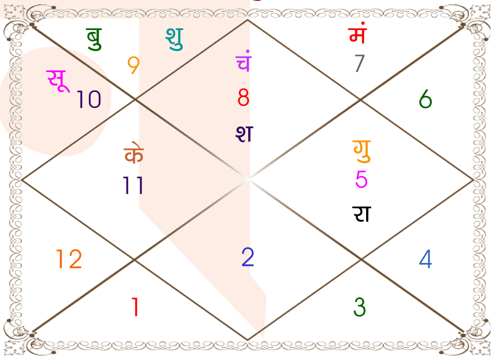

नवमांश कुंडली

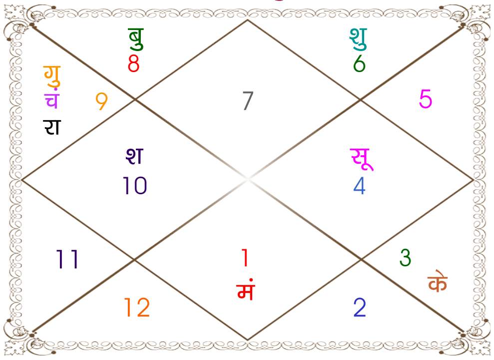

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 4 मास 30 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/02/2016		05/07/2031		05/07/2038		05/07/2058		04/07/2064	
05/07/2031		05/07/2038		05/07/2058		04/07/2064		05/07/2074	
बुध	30/11/2016	केतु	01/12/2031	शुक्र	03/11/2041	सूर्य	22/10/2058	चंद्र	05/05/2065
केतु	28/11/2017	शुक्र	30/01/2033	सूर्य	03/11/2042	चंद्र	23/04/2059	मंगल	04/12/2065
शुक्र	27/09/2020	सूर्य	07/06/2033	चंद्र	04/07/2044	मंगल	29/08/2059	राहु	04/06/2067
सूर्य	04/08/2021	चंद्र	06/01/2034	मंगल	03/09/2045	राहु	22/07/2060	गुरु	03/10/2068
चंद्र	03/01/2023	मंगल	04/06/2034	राहु	03/09/2048	गुरु	11/05/2061	शनि	05/05/2070
मंगल	01/01/2024	राहु	23/06/2035	गुरु	05/05/2051	शनि	23/04/2062	बुध	04/10/2071
राहु	20/07/2026	गुरु	29/05/2036	शनि	05/07/2054	बुध	27/02/2063	केतु	04/05/2072
गुरु	25/10/2028	शनि	07/07/2037	बुध	05/05/2057	केतु	05/07/2063	शुक्र	03/01/2074
शनि	05/07/2031	बुध	05/07/2038	केतु	05/07/2058	शुक्र	04/07/2064	सूर्य	05/07/2074

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/07/2074		04/07/2081		05/07/2099		06/07/2115		06/07/2134	
04/07/2081		05/07/2099		06/07/2115		06/07/2134		00/00/0000	
मंगल	01/12/2074	राहु	17/03/2084	गुरु	23/08/2101	शनि	09/07/2118	बुध	04/02/2136
राहु	19/12/2075	गुरु	10/08/2086	शनि	05/03/2104	बुध	18/03/2121		00/00/0000
गुरु	24/11/2076	शनि	16/06/2089	बुध	11/06/2106	केतु	27/04/2122		00/00/0000
शनि	03/01/2078	बुध	04/01/2092	केतु	18/05/2107	शुक्र	26/06/2125		00/00/0000
बुध	31/12/2078	केतु	21/01/2093	शुक्र	16/01/2110	सूर्य	08/06/2126		00/00/0000
केतु	29/05/2079	शुक्र	22/01/2096	सूर्य	04/11/2110	चंद्र	08/01/2128		00/00/0000
शुक्र	29/07/2080	सूर्य	16/12/2096	चंद्र	05/03/2112	मंगल	15/02/2129		00/00/0000
सूर्य	03/12/2080	चंद्र	16/06/2098	मंगल	09/02/2113	राहु	23/12/2131		00/00/0000
चंद्र	04/07/2081	मंगल	05/07/2099	राहु	06/07/2115	गुरु	06/07/2134		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरुप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरुष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।